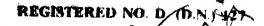
र्याचस्कृति सं. की (की.एम.)-127





## असाधारगा EXTRAGRDINARY

भाग 11—सण्ड 3—उप-सण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

## प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 198]

नई बिल्ली, सोमबार, अप्रैल 10, 1989/चैत्र 20, 1911

No. 198] NEW DELHI, MONDAY, APRIL, 10, 1989/CHAITRA 20 1911

इस भाग में भित्न पृष्ठ संस्था की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(कम्पर्मा कार्य विभाग)

मधिसूचना

नई विल्ली, 4 मन्नैल, 1989

भा. का. नि. 440 (म्र).-- भारत सरकार, कम्पर्ना कार्य विभाग की 18 अक्टूबर, 1972 की आधि-सूचना संक्या सा. का. नि. 143 (म्र) के साथ पठित कम्पनी मिश्रित्यम, 1956 (1956 का 1) की धार 594 की उपधारा (1) के परम्नक द्वारा प्रदन्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, विक्त मेळावर (कम्पनी विधि प्रणासन विभाग) दिनोंक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिमुचना संख्या सा. का. मि. 3214 (जिसे इसमें इसके बाद प्रिध्नुचना कहा गया है) में प्राधिक उमन्तरण करते हुँए कम्मनी विधि बोर्ड एतद्द्वारा यह निर्देश देता है कि मैमर्ज प्र्वित्तव्ह निर्देश, नई दिन्ता (तिने इसो इस्त जन्द कम्मते कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उम्धारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में प्रधिसूचना द्वारा उपान्तिका की मंदि है, निम्नलिखिन अपवादों तथा उपान्तरों के ग्रंधीन रहते हुए लागू होगी, अर्थान् —

यदि कम्पनी 31-3-1988 एवं 31-3-1989 को समाप्त विक्तीय वर्षों की बाबत भारत में समुचित कम्पनी रिजस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपजारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त ग्रनुपालन हुआ समझा जायेना —

- (1) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भुनत (1) श्रिधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के रु की सेवा स्वीकार करने के लिये प्राधिकृत किसी व्यक्ति, लेखापाल द्वारा किया गया है।
- (2) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निर्दिष्ट ढग सम्पत्तियों तथा देयताओं का विवरण, तथा
- (3) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिशत कि कम्पनी ने 31-3-1988 एवं 31-3-1989 का समय नहीं किया।

जिसका प्रमाणीकरण भारत में म्रादेशिका ने कार्यरत शासप्राप्त

ने कम्पनी की परि-

गा का प्रमाण पत्न रन मे कोई व्यापार

अम्पनी विधि बोई के ग्रादेश से,

[सच्या 14,39/88—सी. एल. VI/सी एल III के. एस. गुप्ता, भवर सचिव (कम्पनी विधि वोडं)

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1989

G.S.R. 440 (E).—In exercise of the powers conferred by the proviso the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956 read with the Government of India, Department of Company Affilia, Notification No. G. S. R. 443 (E) dated the 18th October, 1972 and in partial modication of the Notification of the Government of India, Ministry of Finan (Department of Company Law Administration) No. S. R. O. 3126 dated the 4th October, 1957 (hereafter referred to as the Notification) the Companional Law Board hereby directs that in case of M/s. FUHTSU LTD., Now DELLI (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified

their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely:—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provision of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 31-3-1988 & 31-3-1989 the company submits to the appropriate Registrars of Companies in India in triplicate:—

- (i) A Statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act and (2) a Chartered Accountant practising in India.
- (ii) A statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above; and
- (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on \$1-3-1988 and \$1-3-1989.

By Order of the Company Law Board,

[No. 14]39|88|CL VI|CL III]

K. M. GUPTA, Under Secy. (Company I aw Board)